Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-302

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : द्वितीय
नाट्यसाहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. 'मृच्छकटिकम्' इत्यस्य ग्रन्थस्य वर्तमान परिवेशे प्रासङ्गिकता वर्णनीया।
2. मुद्राराक्षसस्य प्रथमाङ्कस्य कथासारः संक्षेपेण देयः।
3. शकुन्तलायाः चरित्रचित्रणं कुरुत।
4. 'स्वप्नवासवदत्तम्' इत्यस्य ग्रन्थस्य मौलिकता विवेचनीया।
5. तपसा मनसा वाग्भिः पूजिता बलिकर्मभिः।
   तुष्यन्ति शमिनां नित्यं देवताः किं विचारितैः।। इत्यस्य व्याख्या कार्या।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. 'अर्थो हि कन्या परकीय एवं' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
2. 'रक्तस्य रागपरिवृद्धिकरः प्रमोद' इत्यस्य अभिप्रायः कः?
3. 'अभिभवितुमिच्छति वलात् रक्षत्येनं तु बुधयोगः' इत्यस्य तात्पर्यं किम्?
4. 'स्वप्नवासवदत्तम्' इत्यस्य रचनाकारस्य परिचयः संक्षेपेण देयः।
5. 'दुःखं न्यासस्य रक्षणम्' इत्यस्य अभिप्रायः कः?
6. 'पृथिव्यां स्वामिभक्तानां प्रमाणे परमे स्थितः' इत्यस्य तात्पर्यं किम्?
7. 'पातुं न प्रथमं व्यवस्यति' इत्यस्य व्याख्या कार्या।

----------x----------